A–1040

Total Pages : 4 **Roll No. .....**

BASL(N)-201

संस्कृत नाट्य साहित्य

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(क) पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्वपीतेषु या,

नादत्ते प्रियमण्डनाऽपि भवतां स्नेहेन या पल्लवम्।

आद्ये वः कुसुमप्रसूतिसमये यस्या भवत्युत्सवः,

सेयं साति शकुन्तला प्रतिगृहं सर्वैरनुज्ञायताम्॥

(ख) शुश्रूषस्व गुरून् कुरू प्रियसखीवृत्तिं सपत्नीजने,

भर्तुर्विप्रकृताऽपि रोषणतया मा स्म प्रतीपं गमः।

भूयिष्ठं भव दक्षिणा परिजने भाग्येष्वनुत्सेकिनी,

यान्त्येवं गृहिणीपदं युवतयो वामाः कुलस्याधयः॥

2. महाकवि कालिदास का जीवन परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का वर्णन कीजिए।

3. नाट्य साहित्य के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालते हुए रूपक भेदों को स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए।

(क) भवभूति

(ख) श्रीहर्ष

(ग) भट्टनारायण

(घ) विशाखदत्त

(ङ) भास

(च) जयदेव

5. विशाखदत्त के व्यक्तित्व का परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

अभिज्ञानशाकुन्तलम् के आधार पर नायक दुष्यन्त का चरित्र चित्रण कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

   (क) सूत्रधार

   (ख) नेपथ्य

   (ग) नान्दी

   (घ) विदूषक

2. नाटक में कथावस्तु क्या है ? कथावस्तु की दृष्टि से किसी एक नाटक की समीक्षा कीजिए।

3. "कालिदासस्य सर्वस्वम् अभिज्ञानशाकुन्तलम्" इस उक्ति के आधार पर अभिज्ञानशाकुन्तलम् का वैशिष्ट्य लिखिए।

4. भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्योत्पत्ति नाट्योद्भव सम्बन्धी वादों पर विस्तृत प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

   (क) "अर्थो हि कन्या परकीय एव"

(ख) "अज्ञातहृदयेषु एव वैरी भवति सौहृदम्"

(ग) "अथवा भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र"

(घ) "किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्"

6. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के नामकरण का औचित्य प्रतिपादित कीजिए।

7. संस्कृत नाट्य परम्परा में शूद्रक विरचित मृच्छकटिकम् नामक प्रकरण का मूल्यांकन कीजिए।

8. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के चतुर्थ अंक के आधार पर उपमा कालिदासस्य इस सूक्ति की समीक्षा कीजिए।

****